[A-58] Seat No. _____ No. of printed pages: 3

SARDAR PATEL UNIVERSITY
SY BA (External) Examination
Tuesday, 3rd May
2016
2.30 pm - 5.30 pm
HINN-200 - Hindi Compulsory (NES)

कुल गुण : १००

प्र.१ ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

(अ) ''मैया कबहिं बढ़ैगी चोटी । (०८)
कित्ती बार मोहि दूध पिवत भई यह अजहूँ है छोटी ।।
तू जो कहति बल की बेनी ज्यौं ह्वै है लाँबी मोटी ।
काढ़त गुहत न्हवावत पोंछत नागिन सी भुँइ लोटी ।।
काचों दूध पिवावत पचि पचि देत न माखन रोटी ।
'सूर' स्याम चिरजिवौ दोऊ भैया हरि हलधर की जोटी ।।''

अथवा

(अ) ''एक दिन जो फेंक देना है–कि मधुर दुलार क्यों है ?
कुचलने के बाद, हाहाकार का श्रृँगार क्यों है ?''

(आ) ''शालेय शिक्षा अकेली ही मनुष्य का निर्माण नहीं करती । (०८)
संस्कार और अध्यापन का बहुत सा क्षेत्र ऐसा है,
जो शालेय क्षेत्र से बाहर है ।''

अथवा

(आ) ''इंसान ने तकनीकी विकास में निःसंदेह नए–नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं,
लेकिन प्राकृतिक प्रकोप के आगे किसी की कुछ नहीं चलती ।''

प्र.२ ''रामायतन'' कविता में तुलसीदास के व्यक्त भावों की उदाहरण सहित समीक्षा कीजिए । (१६)

अथवा

प्र.२ ''मंगलवर्षा'' कविता का भावार्थ एवं सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

प्र.३ ''लेखक और समीक्षक'' निबंध की विशेषताओं का सविस्तार परिचय दीजिए । (१६)

अथवा

प्र.३ ''परमार्थ की प्रस्थानत्रयी'' निबंध के माध्यम से विनोबा भावे क्या संदेश देना चाहते हैं - स्पष्ट कीजिए ।

प्र.४

(क) गुजराती में से हिन्दी में अनुवाद कीजिए । (०८)

માણસને સુખ કેવી રીતે મળશે ? મોટા મોટા નેતાઓ કહે છે. ''વસ્તુઓની અછત છે. વધુ યંત્રો કામે લગાડો, ઉત્પાદન વધારો, ધનની વૃદ્ધિ કરો અને બાહ્ય સાધનોની શક્તિ વધારો.'' એક વૃદ્ધ હતો તેણે કહ્યું, ''બહિર્મુખી નહીં, અંતર્મુખી બનો, હિંસા દૂર કરો, લોકો માટે કષ્ટ સહો, આરામની વાત ન વિચારો'' તેણે કહ્યું, ''પ્રેમ જ મોટી વસ્તુ છે, કેમ કે તે આપણી અંદર છે, હૃદયમાં છે.'' ઉચ્છૃંખલતા પશુની પ્રવૃત્તિ છે. 'સ્વ'નું બંધન એ માનવ સ્વભાવ છે. ડોસાની વાત સાચી લાગી કે નહિ, ખબર નથી, પણ તેને ગોળી મારી દેવામાં આવી, માણસની પ્રવૃત્તિ વિજયી બની. હું વિસ્મિત થઈને વિચારું છું કે ડોસાએ કેટલા ઊંડાણમાં ઉતરીને મનુષ્યની વાસ્તવિક ચરિતાર્થતાને શોધી કાઢી હતી !

(ख) 'कार्यालयी भाषा' के संदर्भ में लिखिए । (०८)

प्र.५

(क) सार संक्षेप लिखिए । (०८)

उन्नति के पथ पर चलनेवाला छात्र प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व उठ बैठता है । नित्यकर्म से निवृत्त होकर वह स्नान करता है । तत्पश्चात् भगवान से प्रार्थना करता है कि वह सदा उसका पथ-दर्शक रहें । पूजन के बाद व्यायाम करना उत्तम छात्र के लिए आवश्यक है । इसके बिना शरीर सबल, सुन्दर और सुगठित नहीं हो सकता । जिस मंदिर में सुन्दरता न हो, उसमें बैठनेवाली मूर्ति कभी सुन्दर नहीं हो सकती । व्यायाम के बाद थोड़ा जलपान करना अत्यंत हितकर होता है । उसके बाद दैनिक समाचारपत्र भी देखना चाहिए, ताकि संसार, देश, नगर तथा पड़ोशी की गति-विधि का परिचय हो जाय । इसका ज्ञान न होने से कभी-कभी बड़ी हानी होती है । समाचार-पठन के पश्चात् विद्यार्थी अपने पाठ्य-विषय का अध्ययन करता है, उस पर विचार तथा नवीन अभ्यास का प्रयत्न करता है ।

(ख) पल्लवन कीजिए । (०८)

''विदेशी भाषा का विद्यार्थी होना बुरा नहीं, पर अपनी भाषा सर्वोपरि है ।''

(ग) निम्नलिखित कहावतों का अर्थ बताकर वाक्य में प्रयोग कीजिए । (१०)

१. अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता
२. आँख का अन्धा नाम नयनसुख
३. कहाँ राजा भोज कहाँ गंगू तैली
४. चिराग तले अन्धेरा
५. जहाँ न जाये रवि वहाँ जाये कवि
६. खोदा पहाड़ निकली चूहियाँ
७. घर का भेदी लंका ढाहे
८. जैसा देश वैसा भेष
९. डूबते को तिनके का सहारा
१०. मन चंगा तो कठौती में गंगा

(घ) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ बताकर वाक्य में प्रयोग कीजिए । (१०)

१. अक्ल पर पत्थर पड़ना
२. अन्धे की लकड़ी
३. कोसों दूर भागना
४. कलेजा ठण्डा होना
५. खाक छानना
६. गड़े मुर्दे उखाड़ना
७. घी के दीए जलाना
८. घर का न घाट का
९. ईद का चाँद होना
१०. चार दिन की चाँदनी

☺☺☺☺☺